मीडिया सूचना

रैण्डो टोला और करम टोली में
'पश्चिम में सूर्योदय ! वह भी शाम को'

सौजन्य : राज्य सभा सांसद परिमल नथवाणी

रांची : नवम्बर 16, 2011 :

बिजली के लिए सालों इन्तजार करने के बाद रैण्डो टोला और करमटोली को रोशनी की किरन मिल गई। राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी ने झारखण्ड के विपुल कोयला भण्डारों के चलते प्रदेश में फैले अंधेरे पर अक्सर अपनी खिन्नता व्यक्त की है। लेकिन आपने झारखण्ड से राज्य सभा के लिए अपने चुने जाने को एक बार फिर सार्थक कर दिखाया हे। आज रैण्डो टोला और करम टोली सौर ऊर्जा से प्रकाशित हैं तो उसका पूरा श्रेय श्री परिमल नथवाणी को है।

समाज-सेवा में भी एक विशिष्ट अभिगम की मिसाल के तौर पर श्री नथवाणी ने रांची में कांके ब्लॉक से केवल पांच किलोमीटर दूर बसे रैण्डो और करम टोली को चुना। झारखण्ड राज्य बनने के बाद से और खास कर के वर्ष 2007 में गांव के बाहर 'राजीव गांधी ग्रामीण विद्युत कार्यक्रम' का बोर्ड लग जाने के बाद से तो गांव के लोग अपनी जिंदगी का अंधेरा दूर होने की आस लगाए बैठे थे।

श्री नथवाणीजी ने अपने द्वारा प्रायोजित स्वयंसेवी संस्था *'हॉप'* के कर्मियों के साथ एक बार रैण्डो व करम टोली का दौरा किया तो पाया कि राजधानी से केवल पांच किलोमीटर की दूरी पर बसी इन बस्तियों में शाम को बच्चों की पढ़ाई के लिए और गृहिणियों के गृहकार्य के लिए रोशनी नदारद है।

रांची में इस्लामनगर के विकास को जिन्होंने इतने चाव से अपनाया था उस इस्लामनगर को दयाहीनता से ढहा दिए जाने की वेदना को थोडी देर के लिए भूलकर श्री नथवाणीजी ने रैण्डो-करम टोली के लिए तत्काल एक कार्य-योजना तैयार की और मेसर्स कोटक ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड को यह काम सौंपा ताकि रैण्डो टोला के 140 और करम टोली के 40 घरों का अंधेरा शीघ्र दूर हो।

मेसर्स कोटक ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड ने देश के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा द्वारा रोशनी प्रदान करने की कुछ योजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की हैं। इन्होंने अपने 'रैपिड एक्शन फोर्स' किस्म के कर्मचारियों को काम पर लगाया। करीब 25-30 कुशल कर्मियों ने रैण्डो के 105 घरों को अण्डर ग्राउण्ड कैबल से जोड़ दिया। शेष 15-20 घरों को कैबल से जोड़ दीया। सभी घरों को एक जंक्शन बाक्स से कनेक्ट कर दिया। एक 3.24 KWp क्षमता की सौर ऊर्जा प्रणाली और 27 x 24 वाल्ट की सौर पैनलें रैण्डो गांव के स्कूल में स्थापित की गईं। एक टाइमर लगाया गया जिससे हररोज शाम छः बजे से रात साढ़े दस बजे तक लोगों को रोशनी मिलती रहे।

इस प्रकार अब रैण्डो और करम टोली में 'पश्चिम में सूर्योदय होता है और वह भी शाम को'; तथा लोगों की जिंदगी रोशन होती है। श्री नथवाणी ने विचारपूर्वक यह योजना बनाई ताकि स्कूल के बाद घर में बच्चे शाम को पढ़ाई भी कर सके और गृहिणियां अपना शाम का गृह-कार्य भी। स्कूल में लगे टीवी सेट से गांव के लोग देश की मुख्य धारा से जुड़े रह सकते हैं।

यह एक केस-स्टडी का विषय हो सकता है कि कैसे एक निष्ठावान सांसद सिर्फ 25 दिनों में अपने क्षेत्र के एक हिस्से के लिए कितना कुछ कर सकता है जो सालोंमें भी नहीं हो सकता।

गांव के लोग खुश हैं कि उनको अपने जीवन काल में रोशनी नसीब हुई। श्री नथवाणी द्वारा रैण्डो व करम टोली को मिला यह नवीनतापूर्ण सूर्य ऊर्जा उपहार सामाजिक भलाई के लिए एक मिसाल है - एक छोटी कूद जिसे अंग्रेजी में *'हॉप'* कहते हैं।

★ ★ ★